क्षयरोग (T.B.)

क्षयरोग के लिये प्रचलित मायकोबेक्टेरियम जीवाणू की दवा प्रतिरोध TB (MDR-TB) से अति दवा प्रतिरोध TB टी.बी. (XDR-TB) में परिवर्तित होने की घटना के हम सब गवाह है।

- **MDR-TB (दवा प्रतिरोधक टीबी)** :—

MDR-TB में क्षयरोग जीवाणू प्रथम श्रेणी की दवा में अनेक बार रिफामपिसिन एवं आयसोनियाझाईड को प्रतिरोध दर्शाती है, प्रथम श्रेणी की दवायें योग्य समय एवं उचित प्रमाण मे न लेने पर प्रतिरोध हो सकता है।

- **XDR-TB (अधिक दवा प्रतिरोधक टीबी)** :—

MDR-TB में क्षयरोग के जीवाणू सभी फ्लोरीक्विनोलोन्स, द्वितीय श्रेणी में सुई के माध्यम से शरीर में दिये जाने वाले (कॅप्रोमायसिन, केनामायसिन एवं अमीकासिन) दवाओं में से एक रिफामपिसिन आयसोनियाझिड दवाओं का असर ही नही करता में MDR-TB उचित ध्यान नहीं दिये जाने से MDR-TB हो सकता है।

- **दवा प्रतिरोध (Resistance) निर्माण होने के कारण** :—

(निम्न उल्लेखित मुद्दे कम इलाज व उपचार में यश नहीं मिलने के लिये कारण होते है तथापि अंत में क्षयरोग का प्रसार एवं संसर्गजन्य हो सकता है)

१. असंगत एवं आंशिक उपचार

२. रोगी को ठीक लगने से दवा समय पर न लेना अथवा बंद करना

३. चिकित्सक अथवा स्वास्थ कर्मियों द्वारा गलत दवा देना

४. अनियमित दवा की पूर्ति

५. रोगी संबंधित मुद्दे (निष्ठा से दवा न लेना, सामाजिक कलंक, सामाजिक आर्थिक परिस्थिती, अन्य रोग ग्रस्त स्थिती, दवा के दुष्परिणाम)

DOTS के अंतर्गत फार्मसिस्ट की भूमिका :—

- टी.बी. के संदर्भ में सामाजिक जागृति
- छाती रोग की स्थिति में जांच करना
- DOTS उपचार पद्धति का नियंत्रण एवं संपूर्ण देखभाल
- रोगी से संबंधित जानकारी संग्रहित कर रखना
- निजी क्षेत्र के रोगियों को DOTS की ओर परावर्तित करना

टी.बी. हेतु फार्मसिस्ट की भूमिका उपरोक्त प्रकार से स्पष्ट की गई फिर भी किसी भी स्तर पर कार्यरत फार्मसिस्ट को टी.बी. के संदर्भ में मूलभूत, सरल, योजनाबद्ध, मुद्दती चार

दवाओं के संबंध में जानकारी आवश्यक है। अगर आप DOT कार्यकर्ता नहीं है फिर भी जब कभी क्षय रोग विरोधी दवाओं की सूची आपके ध्यान में आये तब तय की गई दवायें दी गई की नही एवं द्वितीय श्रेणी की दवाओ का अनियमित उपयोग तो नहीं किया गया इस संबंध में सावधानी आवश्यक है। स्वयं दवा से इलाज करने वालों के संपर्क में अधिक फार्मसिस्ट आते है अत: टी.बी. रोगी को पहचान कर उसका सहयोग करना चाहिये ।हम सभी ने मिलकर इस उपक्रम को अपना तो XDR-TB की परिस्थिति का निर्माण ही नहीं होगा तथापि फार्मसिस्ट की आरोग्य सुरक्षा अधिकारी ऐसी प्रभावशाली प्रतिमा निर्माण करने में मदद मिलेगी ।

क्षयरोग यह फेफडों संसर्गजन्य मायक्रो बॅक्टेरियम टयुबरक्युलोसिस इस जीवाणू से होता है। वायू माध्यम से इसका प्रसार होता है।

कैसे बढता है टी.बी. का धोखा?

- क्षयरोग ग्रस्त रूग्ण से निकट संपर्क
- ऐसे रोगी जहॉ अधिक हो वहॉ की यात्रा करना जैसे आफ्रिका, एशिया या लॅटिन अमेरिका
- छोटी जगह में बडे समूह के साथ काम करना
- व्यक्ति की वैद्यकीय स्थिति जैसे एच.आय.व्ही. मधुमेह, कर्करोग, मूत्रसंस्था रोग से ग्रस्त

टी.बी. के लक्षण :—

यह रोग सक्रिय अथवा गुप्त रह सकता है, सक्रिय याने जो लक्षण दिखाई देते है, गुप्त यानि जो दिखाई नहीं देते किंतु कुछ अंतराल के बाद विकसित होते है। टी.बी. का प्रभाव फेफडों पर पडता है किंतु शरीर का कोई भी अवयव उसके संपर्क में आकर संसर्गित हो सकता है।

टी.बी. के लक्षण इस प्रकार है :—

- बुखार अथवा रात में पसीना आना
- वजन कम होना
- थकावट
- ३ सप्ताह से अधिक खाँसी रहना
- ब्लगम में खून बहना
- सांस लेते समय छाती एवं उपरी हिस्से में दर्द होना
- सांस लेने में तकलीफ होन पर

टी.बी. का उपचार कैसे करें ?

उपाय योजना : नये पाने गये अथवा पूर्ण में उपचार न किये हुए रोगीयो पर २—३ महीने का पहला दौर पश्चात ४—५ महीने का दूसरा दौर इस पद्धती का समावेश है।

प्रथम दौर (Initial Intensive Phase) में प्रथम ४ प्रतिजैविक, आयसोनिआझिड (INH), रिफामपीसिन (RIF), पायराजिनामाईड (PZA), एवं इथामबुटॉल (EMB) वापरी जाती है। इस दौर में २ महीनों के पश्चात क्षयरोग जंतु दवाओं की संवेदना पर अवलंबित PZA एवं EMB को बंद कर दिया जाता है। जारी टप्पा (Continuation Phase) इसमें क्षयरोग जंतु दवाओं की संवेदनशीलता की जांच कर INH एवं RIF चार—पांच महीनों तक शुरू रखा जाता है।

दवा देना भूलें नहीं :—

- DOTS योजना में सहभागी हो (इस प्रक्रिया में दवा वितरक आपको नियमित रूप से दवा लेने में मदद करेंगे)
- प्रतिदिन निर्धारित समय पर दवा ले।
- स्मरण पत्र तयार करें, परिवार के सदस्यों एवं मित्रों को यह याद दिलाये
- दवा लेना आपको याद रहे ऐसे स्थान पर रखें, तथापि छोटे बच्चों के संपर्क से दूर रखे।

मैं टी.बी. का प्रसार कैसे रोक सकता हूँ?

- दवा निर्धारित समय पर ले, एक समय पर दवा लेना भूल गये तब बाकी दवायें समय पर लेनी चाहिये।
- हाथों को स्वच्छ धोयें (छींक या खांसी के दौरान, खाना पकाने एवं खाने के पूर्व हाथ अच्छे से धोयें)
- आवश्यकता पडने पर नाक, मुह ढक ले, खांसी छींक के पश्चात टिश्यू का प्रयोग करें उसे नष्ट करें
- अनेको के संपर्क से दूर रहे (बच्चो एवं वृद्धो को टी.बी. रोगी के संपर्क से अधिक खतरा है)
- मित्र, परिवार एवं सहकर्मियों को टी.बी. होने की जानकारी अवश्य दे।

मैने स्वास्थ सेवक की सेवायें कब लेनी चाहिये?

- अगर आपको बुखार, शरीर पर चट्टे, जी मचलना एवं उलटियाँ हो रही है तब
- आखों का भीतरी रंग या त्वचा का रंग पीला हो जाय, मूत्र का रंग चाकलेटी अथवा कॉफी जैसा दिखाई दे तब
- दवा लेने के बावजूद भी रोग में कमी होने के बजाय अधिक दिखाई देने पर
- ३—४ सप्ताह तक खाँसी ठी नही होने पर

कब आप शीघ्रतिशीघ्र ध्यान दे?

- जब छाती में दर्द हो, खाँसते समय रक्त निकलता हो ऐसे समय।
- सांस लेने में तकलीफ होती हो, बुखार, सिरदर्द, गले में भीषण जकडन होने पर।